परिशिष्ट-क

कुछ वेबसाइट जो अधिक जानकारी के लिए सहायक हैं –

Bombay Natural History Society: http://www.bnhs.org/

Birding in India and South Asia: http://www.birding.in/

Website of Project Tiger: http://projecttiger.nic.in/

Nature Conservation Foundation: http://www.ncf-india.org/

Wildlife Conservation Society of India: http://www.wildlife.in/

Wildlife Trust of India: http://www.wildlifetrustofindia.org/

Kalpavriksh Environment Action Group: http://www.kalpavriksh.org/

Down to Earth Magazine: http://www.downtoearth.org.in/

Centre for Environment Education, India: http://www.ceeindia.org/cee/index.html

World steel Association: www.worldsteel.org

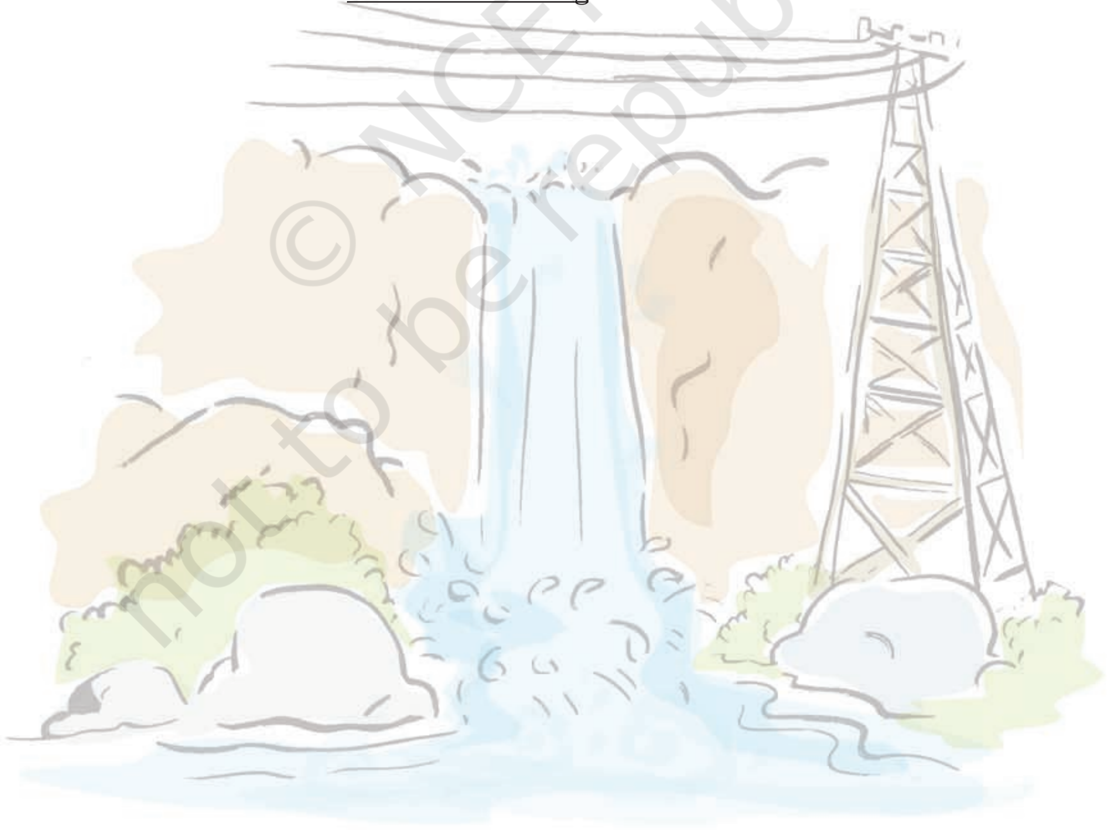

© NCERT not to be republished

परिशिष्ट-ख

इस्पात संयंत्र	स्थापना वर्ष	सहयोगी देश/स्वामित्व	अवस्थिति
इस्को (IISCO)	1870-1913 (प्रारंभ में निजी स्वामित्व में)	(1972 में राष्ट्रीयकरण)	कुल्टी तथा बर्नपुर (पश्चिम बंगाल)
टिस्को (TISCO)	1907 (निजी स्वामित्व)	जमशेदजी टाटा	जमशेदपुर (झारखंड)
वी आई एस एल (VISL)	1923 (निजी स्वामित्व में) जब तक MISCO थी)	बाद में राष्ट्रीयकरण	भद्रावती (कर्नाटक)
भिलाई	1959 (सार्वजनिक क्षेत्र)	सोवियत यूनियन	भिलाई (मध्य प्रदेश)
बोकारो	1972 (सार्वजनिक क्षेत्र)	सोवियत यूनियन	बोकारो (झारखंड)
दुर्गापुर	1959 (सार्वजनिक क्षेत्र)	इंगलैंड (यू. के.)	दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
राउरकेला	— (सार्वजनिक क्षेत्र)	जर्मनी	राउरकेला (ओडिशा)
विशाखापट्नम	— (सार्वजनिक क्षेत्र)	—	विशाखापट्नम (आंध्र प्रदेश)
सेलम	— (सार्वजनिक क्षेत्र)	—	सेलम (तमिलनाडु)
विजय नगर	— (सार्वजनिक क्षेत्र)	—	कर्नाटक

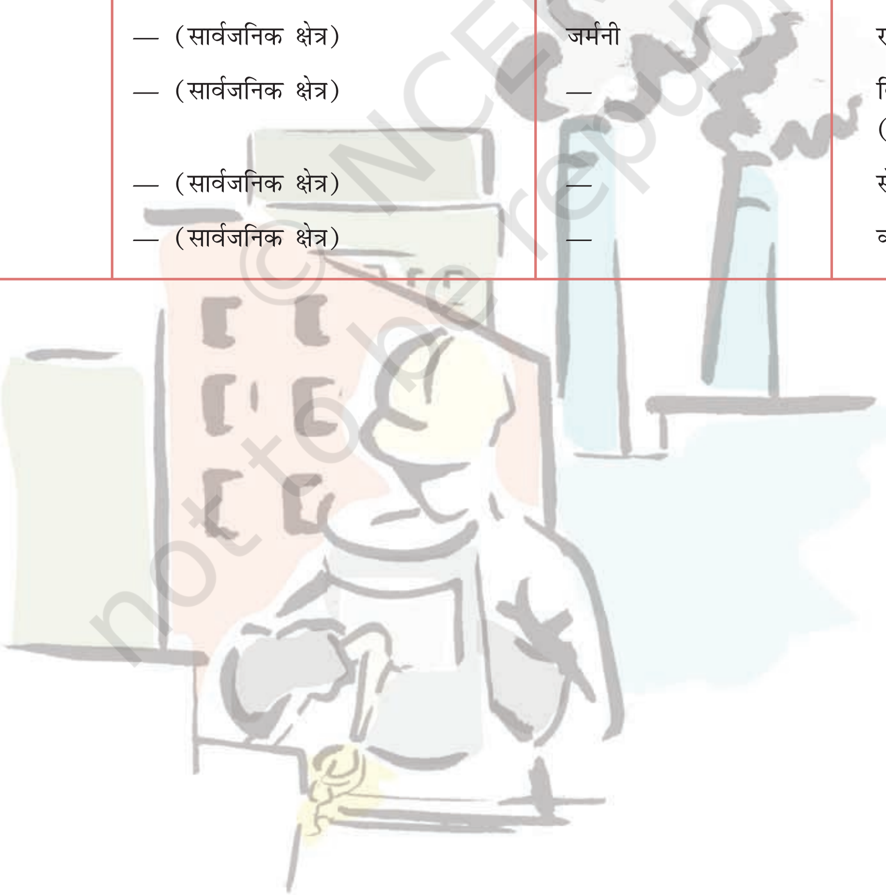

© NCERT not to be republished

Rationalised 2023-24

शब्दावली

अपनति – अवसादी चट्टानों में संपीडन बल से उत्पन्न एक मेहराबदार मोड़।

अवसादी चट्टानें – वे चट्टानें जो संस्तरों या तलछटों की परतों के रूप में निक्षेपित हैं।

आग्नेय चट्टानें – वह चट्टानें जो तरल मैग्मा के जमने या ठोस होने से बनती है।

आर्द्र भूमि – भूमि जो समय-समय पर जलमग्न हो जाती हैं। इसमें लवण कच्छ, ज्वारनदमुख, कच्छ व दलदल सम्मिलित हैं।

कायांतरित चट्टानें – वे चट्टानें जो मूल रूप से आग्नेय या अवसादी थी लेकिन जिनका लक्षण व रूप परिवर्तन हो गया है।

गिरिपद मैदान – वह मैदान जो पहाड़ों के पद में निर्मित हैं या स्थित हैं।

चट्टान – खनिजों का संगठित योग।

तेल प्रग्रहण – एक भूवैज्ञानिक संरचना जिसमें पर्याप्त मात्रा में तेल व गैस का संचयन संभव है।

भूतापीय – भूपर्पटी में गहराई के साथ तापमान का बढ़ना। ऊपरी परत में यह दर औसतन 30° सेल्सियस प्रति किलोमीटर है।

मैंगनीज़ ग्रंथियाँ – महासागरीय तली पर बिखरे हुए वे तलछट मुख्यत: लोहा व मैंगनीज़ सम्मिलित हैं तथा इनमें आमतौर पर कुछ मात्रा में ताँबा, निकल व कोबाल्ट भी होता है।

सकल घरेलू उत्पाद – यह एक समय विशेष पर अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य का माप है। सामान्यत: यह एक वर्ष के लिए होता है।

सकल मूल्य वर्धित (GVA) – उत्पादन पर सब्सिडी जोड़कर और अप्रत्यक्ष करों को घटाकर सकल घरेलू उत्पाद से सकल मूल्य वर्धित (GVA) का अनुमान लगाया जाता है।

ह्यूमस – मृत व अपघटित जैविक पदार्थ जो मिट्टी की ऊपरी परत की उर्वरकता बढ़ाते हैं।

© NCERT not to be republished